**A-0230**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# MASL–604

## M.A. SANSKRIT (MASL)

### (नाटक एवं नाटिका भाग-01)

3rd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

**नोट :–** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

**खण्ड–क**

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** 2×19=38

**नोट :–** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्य साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

2. मृच्छकटिकम् में वर्णित सामाजिक एवं राजनीतिक दशा का वर्णन कीजिए।

3. शूद्रक की काव्यकला और नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।

4. मृच्छकटिक की नायिका वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण लिखिए।

5. शर्विलक की चोर विद्या का वर्णन कीजिए।

## खण्ड–ख

**लघु उत्तरीय प्रश्न** 4×8=32

**नोट :–** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सुखं हि दुखान्यानुभूय शोभते,

   घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।

   सुखात्तुवो याति नरो दरिद्रतां,

   धृतः शरीरेण मृतः सः जीवति॥

   श्लोक का सप्रसंग अर्थ लिखिए।

2. मृच्छकटिकम् के प्रतिनायक शकार के स्वभाव का वर्णन कीजिए।

3. मृच्छकटिकम् के तृतीय अंक का सार लिखिए।

4. निवासश्चिन्तायाः परपरिभवों वैरमपरं,

जुगुप्सामित्राणां स्वजनजनविद्वेषकरणम्।

वनं गन्तुं बुद्धिर्भवति च कलत्रात्परिभवो

हृदयस्थशोकाग्निः न च दहति सन्तापयति च॥

श्लोक की व्याख्या कीजिए।

5. चारुदत्त के सैद्धांतिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

6. भास के नाटकों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

7. मृच्छकटिक के विदूषक का चरित्र-चित्रण लिखिए।

8. तं तस्य स्वरसंक्रमं मृदुगिरः श्लिष्टं च तन्त्रीस्वनं,

वर्णानामपि मूर्च्छनान्तरगतं तारे विरामे मृदुम्।

हेला संयमितं पुनश्च ललितं रागाद्विरुच्चारितं,

यत्सत्यं विरतेपिगीतसमये गच्छामिक्षुण्वन्निव॥

श्लोक की व्याख्या लिखिए।

**********